

1/

1. संक्षेप में अपीलान्तस की अपील के तथ्य इस प्रकार हैं कि अपीलान्त का खारोदारी खेत खसरा नंबर 494/385 रकबा 56 बीघा 10 बिस्वा में से 01 बीघा धाखे में रखकर खसरा नंबर 494/385 रकबा 56 बीघा 10 बिस्वा में से 01 बीघा द्वारा आपस में विभाजन किया हुआ है। रेसपोर्ट संख्या 02 से 04 ने अपीलान्त को 506/332 एवं 331 व 330 आयें हुए हैं। उक्त खसरा का रेसपोर्ट संख्या 02 से 04 का खारोदारी खेत मौजा झाक मौल खसरा नंबर 332 मौजूदा खसरा नंबर 508/332, तहसील बायवु में आई हुई है। इस भूमि के जोड़ा जोड़ रेसपोर्ट संख्या 02 से 04 खेत खसरा नंबर 494/385 रकबा 56 बीघा 10 बिस्वा मौजा थलेसी की ठणी



दिनांक 09.06.2017

आदेश

1. अपीलान्त उपस्थित।
2. रेसपोर्ट संख्या 01 की ओर से ना.तहसीलदार उपस्थित।
3. रेसपोर्ट संख्या 02 से 05 उपस्थित।

राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान कायतकारी अधिनियम विरुद्ध आदेश दिनांक 15.9.2015 द्वारा तहसीलदार बायवु

देदारम पुत्र सादुलारम के कायम मुकाम	बनाम	तहसीलदार बायवु
पदमारम पुत्र देदारम जालि जाट		जालि जाट निवासी झाक
निवासी थलेसी की ठणी तहसील		तहसील बायवु जिला बाड़मेर
बायवु जिला बाड़मेर		
1. देदारम पुत्र सादुलारम के कायम मुकाम		
2. विमारम पुत्र हरचंदराम		
3. आर्द्धदानराम पुत्र हरचंदराम		
4. कम्मराम पुत्र हरचंदराम		
5. भीखाराम पुत्र हरचंदराम		
तहसीलदार बायवु		
1. राजस्थान सरकार जिरिये		

राजस्व अपील संख्या 22/2015

पीठासीन अधिकारी - श्री आ.पी.बिश्नोई आर.ए.एस.

न्यायालय अपर कलक्टर, बाड़मेर कम बायवु

अपर कलेक्टर, बांद्रा
(प.डी.एम.)

आदेश कोर्ट केम बायु में आज दिनांक 09.06.2017 को सुनाया गया।

अपर कलेक्टर, बांद्रा
(प.डी.एम.)
(ओ.पी.विनोद)



- अपीलांत की अपील जरिये विज्ञेवल खारिज की जाती है।
5. अपीलांत द्वारा अपील विज्ञे करने बाबत पेश प्रार्थना पत्र की मखनजर रखते हुए पत्र प्रस्तुत किया।
आगे चलना नहीं चाहते। उक्त अपील को इस्ती स्तज पर विज्ञे करने बाबत प्रार्थना पत्र, का खर्चावास हो चुका है। अतः लोक अदालत की भावना से उक्त अपील को हेतु श्रवण सडक बना दी है। उसके पिता देदाराम लिनके द्वारा अपील दापर की गई पत्र पेश कर कथन किया कि समर्पित की गई भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा आम रास्ते
 4. अपीलांत के कायम मुकाम द्वारा अपीलांत की फौतगी का प्रमाण-पत्र संलग्न प्रार्थना लामोली करा दी गई।
 3. पत्रावली पूर्व निधारित कार्यक्रम के अनुसार "न्याय आपके द्वार" के तहत राजस्व कोर्ट अपीलाधीन पत्रावली तलब की।
 2. हमने अपील अपीलांत दर्ज रजिस्टर कर, रेस्पोंडेंटस को समन जारी किये एवं धारा 5 परिशीमा अधिनियम के तहत प्रार्थना पत्र एवं शपथ पत्र भी पेश किये।
अपील को अंदर म्याद सुमार करने का निवेदन किया। अपीलांत ने अपील के साथ अपीलांत ने अपीलाधीन आदेश का पूर्व में ज्ञान नहीं होने से जानकायी की तिथि से